सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्ष: 8 • अंक: 319 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 30 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।

- ब्रूस ली

भीड़ की नारेबाजी से नाराज हुई ममता... 8 | बिहार में सरकारी विमान खरीदने... 3 | हिमपात से हिमाचल ने ओढ़ी बर्फ... 7

पंचतत्व में विलीन हुई पीएम मोदी की मां हीराबा

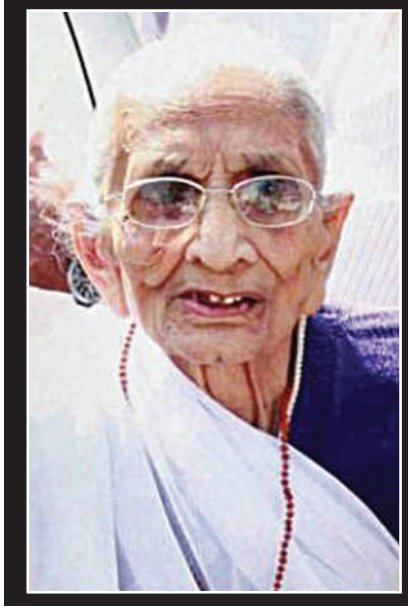

» 100 साल की थीं हीराबेन

» पीएम मोदी ने दी मुखाग्नि

» निधन की जानकारी खुद पीएम मोदी ने ट्वीटर पर दी

» अपना कोई तय कार्यक्रम रद्द नहीं किया पीएम मोदी ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा शुक्रवार सुबह 9:26 बजे पंचतत्व में विलीन हो गईं। नरेंद्र मोदी ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम सफर के दौरान वे मां की पार्थिव देह कंधे पर लेकर गांधी नगर स्थित घर से निकले। यात्रा के दौरान वे शव वाहन में ही पार्थिव देह के करीब बैठे रहे।

हीराबा मोदी का शुक्रवार तड़के 3:30 बजे यूएन मेहता अस्पताल में निधन हुआ। वे 100 साल की थीं। मंगलवार देर रात सांस लेने में तकलीफ होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें कफ की शिकायत भी थी। मोदी ने खुद ही निधन की जानकारी ट्वीट के जरिए दी। इसके बाद सुबह 7:45 बजे अहमदाबाद पहुंचे। यहां से वे सीधे गांधीनगर के रायसण गांव में भाई पंकज मोदी के घर गए। पार्थिव देह यहीं रखी गई थी। मोदी के पहुंचते ही अंतिम यात्रा शुरू हुई। सेक्टर-30 स्थित श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। मोदी ने अपना कोई तय कार्यक्रम रद्द नहीं किया। वे अंतिम संस्कार के बाद सीधे अहमदाबाद स्थित राजभवन गए। वे यहीं से बंगाल में हो रही राष्ट्रीय गंगा परिषद की बैठक में वर्चुअली जुड़ें।

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता जी हीराबेन मोदी का निधन, अत्यंत दुःखद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि!

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

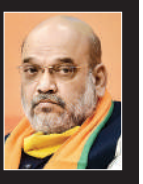

"मां एक व्यक्ति के जीवन की पहली मित्र और गुरु होती है। जिसे खोने का दुख निःसंदेह संसार का सबसे बड़ा दुःख है।

अमित शाह, गृह मंत्री

"हीराबा जी का संघर्षपूर्ण व सात्विक जीवन सदैव प्रेरणादायक है, जिनके वात्सल्य व सत्यनिष्ठा से देश को यशस्वी नेतृत्व मिला। मां का जाना अपूरणीय क्षति है, इस रिक्तता की पूर्ति असंभव है।

जेपी नड्डा, भाजपा अध्यक्ष

बिहार नगर निगम में महागठबंधन आगे

भाजपा पिछड़ी, पूर्व डिप्टी सीएम की बहू भी हारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में 17 नगर-निगमों में मेयर, डिप्टी मेयर और पार्षद पदों का परिणाम आ रहा है। यहां अधिकांश सीटों पर महागठबंधन प्रत्याशी आगे हैं जबकि भाजपा उम्मीदवार काफी पीछे चल रहे हैं। पहला रिजल्ट मोतिहारी मेयर का आया है। यहां से राजद समर्थित प्रीति गुप्ता जीत गई हैं। बेतिया मेयर पद पर गरिमा देवी सिकारिया ने पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी की बहू सुरभि घई को हरा दिया है। वहीं गायत्री देवी ने डिप्टी मेयर के पद पर जीत दर्ज की है। समस्तीपुर से डिप्टी मेयर का चुनाव जेडीयू समर्थित रामबालक पासवान जीत गए हैं।

पटना में मेयर के पद पर बीजेपी की सीता साहू और महजबीं बीच कड़ा मुकाबला जारी है। हालांकि कुछ वोटों अंतर से साहू आगे हैं। डिप्टी मेयर पद पर बीजेपी समर्थित कैंडिंडेट रेशमी चंद्रवंशी राजद समर्थित अंजना गांधी से आगे चल रही हैं। बीच में वे पिछड़ गई थीं। समस्तीपुर से विधानसभा उपसभापति महेश्वर हजारी की पत्नी भी तीसरे नंबर पर हैं। मुजफ्फरपुर में मेयर पद पर राकेश कुमार पिंटू, भागलपुर से डॉ. वसुंधरा लाल और गया से गणेश पासवान आगे हैं। सासाराम नगर निगम के मेयर पद पर काजल कुमारी आगे चल रही हैं। दरभंगा में धर्मशिला गुप्ता पर अंजुम आरा ने बढ़त बना ली है। वहीं सीतामढ़ी नगर निगम में विशाल कुमार सातवें राउंड में सुवंश राय से आगे हो गए हैं।

कटिहार-पटना में कड़ा मुकाबला

कटिहार नगर निगम में हाई प्रोफाइल मुकाबला चल रहा है। यहां उषा देवी अग्रवाल मेयर पद के चुनाव में आगे चल रही हैं। वहीं पटना में महजबीं और सीता साहू के बीच कांटे की टक्कर है। अब तक की मतगणना में सीता साहू के 30 हजार और महजबीं को 28 हजार वोट मिले है। देर शाम तक परिणाम आने की उम्मीद है।

डिप्टी मेयर सीट के रूझान

नगर निगम	आगे	समर्थित
पटना	रेशमी चंद्रवंशी	बीजेपी
मुजफ्फरपुर	मोनालिसा	महागठबंधन
भागलपुर	सलाउद्दीन अहसन	महागठबंधन
गया	चिंता देवी	महागठबंधन
कटिहार	मंजूर खान	महागठबंधन
सासाराम	सत्यवंती देवी	महागठबंधन
बिहारशरीफ	आशा देवी	बीजेपी
आरा	पूनम देवी	बीजेपी
छपरा	रागनी देवी	महागठबंधन
मोतिहारी	लालबाबू प्रसाद गुप्ता	बीजेपी
बेतिया	गायत्री देवी	महागठबंधन
सीतामढ़ी	आशुतोष कुमार	महागठबंधन
दरभंगा	नाजिया हसन	महागठबंधन
समस्तीपुर	रामबालक पासवान (जीते)	महागठबंधन
पूर्णिया	पल्लवी गुप्ता	महागठबंधन
मुंगेर	तुषार	महागठबंधन
बेगूसराय	जहाना बेगम	महागठबंधन

मेयर सीट के रूझान

नगर निगम	आगे	समर्थित
पटना	सीता साहू	बीजेपी
कटिहार	उषा देवी अग्रवाल	बीजेपी
मुजफ्फरपुर	राकेश कुमार पिंटू	महागठबंधन
भागलपुर	डॉ. वसुंधरा लाल	बीजेपी
गया	वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान	महागठबंधन
सासाराम	काजल कुमारी	महागठबंधन
बिहारशरीफ	अनीता देवी	महागठबंधन
आरा	इंदु देवी	बीजेपी
छपरा	राखी गुप्ता	बीजेपी
मोतिहारी	प्रीति गुप्ता(जीतीं)	महागठबंधन
बेतिया	गरिमा देवी सिकारिया(जीतीं)	महागठबंधन
सीतामढ़ी	विशाल कुमार	महागठबंधन
दरभंगा	अंजुम आरा	महागठबंधन
समस्तीपुर	अनीता राम	महागठबंधन
पूर्णिया	विभा कुमारी	महागठबंधन
मुंगेर	कुमकुम देवी	महागठबंधन
बेगूसराय	पिंकी देवी	महागठबंधन

ऋषभ पंत की मर्सिडीज कार के उड़ गए परखच्चे

» नारसन में सुबह झपकी लगने से हुआ भयंकर सड़क हादसा राहगीरों ने बचाया

» भारतीय क्रिकेटर देहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रुड़की। भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत की कार का शुक्रवार सुबह रुड़की के नारसन में भयावह एक्सीडेंट हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस दौरान पंत की कार के परखच्चे उड़ गए। डिवाइडर से टकराने पर कार में आग लग गई और ऋषभ ने कार से शीशे तोड़कर बाहर निकले। बताया जा रहा है कि ऋषभ की गाड़ी में करीब तीन से चार लाख रुपए थे। घटना के बाद सारे रुपये सड़क पर बिखरे पड़े थे। वे वहां तड़पते रहे लेकिन इस दौरान कुछ लोग ऋषभ की मदद करने के बजाय नोट अपनी जेबों में भरने और वीडियो बनाने में मशगूल हो गए।

वहीं, दो युवक इस दौरान मसीहा बनकर सामने आए। दोनों युवकों ने गंभीर हालतमें पंत को सड़क पर तड़फता देख तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जिसके बाद समय से उपचार मिल सका और हालत में सुधार होना बताया जा रहा है। ऋषभ को देहरादून स्थित मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

बाल-बाल बचें पंत

सुबह दिल्ली से रुड़की जाते समय भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य ऋषभ पंत को कार चलाते समय नींद की छपकी आ गई, जिससे उनकी मर्सिडीज कार डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और धू-धूकर जल गई। हादसे में पंत बाल-बाल बच गए और फिलहाल खतरे से बाहर है। देहरादून के मैक्स अस्पतला में चिकित्सकों का दल उनके इलाज में लगा है। ऋषभ के सिर, पैर और पीट पर चोट लगी है। बताया गया है कि यहां ऋषभ पंत की प्लास्टिक सर्जरी होगी। पंत नये साल पर परिवार से मिलने घर जा रहे थे।

भाजपा को हारने के लिए सारे विपक्षी दल एक हों : सत्यपाल

» हिमाचल में भाजपा को जिस तरह से कांग्रेस ने मात दी वो काबिले तारीफ है: पूर्व राज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक आए दिन भाजपा को घेरने का काम करते है अब उन्होंने ने एक बार फिर भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा की अगर भाजपा का सफाया करना चाहते हैं तो सारे विपक्षी दलों को एक होना पड़ेगा। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए हिमाचल चुनाव के नतीजे याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा को जिस तरह कांग्रेस ने मात दी वो तारीफ के काबिल है।

सत्यपाल मलिक ने बिहार में आरजेडी-जेडीयू के साथ आने का स्वागत किया वहीं गुजरात के नतीजों पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात तो भाजपा का ही है उसमें हार-जीत का कोई मतलब नहीं हैं। उन्होंने कहा भापजा ने जो 2024 को लेकर जैसा सोच रही है वैसा नहीं होगा।

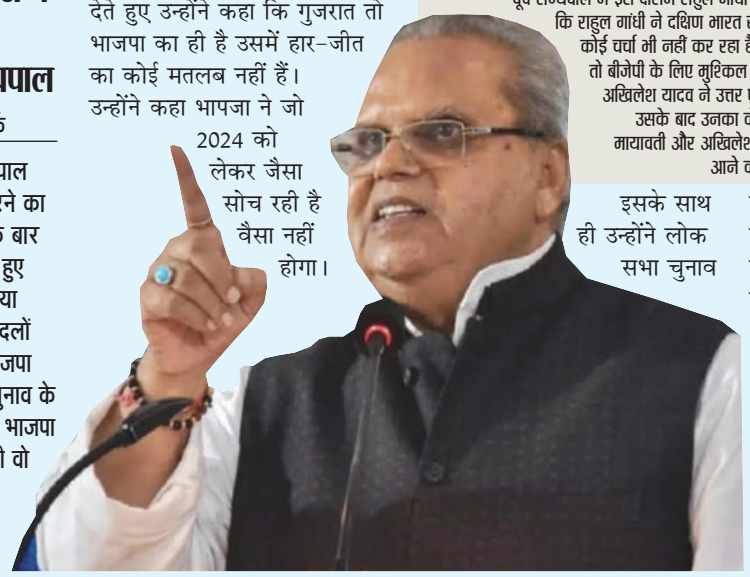

इसके साथ ही उन्होंने लोक सभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए विपक्ष का पूर्व पीएम वी पी सिंह के फॉर्मूले को अपनाने की बात कही। वहीं उन्होंने कहा विपक्ष इसलिए भी एक नहीं हो सकता क्यों कि सभी को प्रधानमंत्री पद चाहिए। सभी दल मिलकर तय कर लें कि बीजेपी उम्मीदवार को किस सीट पर कौन सबसे मजबूत टक्कर दे सकता है और इसी आधार पर अपने उम्मीदवार उतारें।

राहुल ने दक्षिण भारत से बीजेपी को किया बाहर

पूर्व राज्यपाल ने इस दौरान राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की भी तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी ने दक्षिण भारत से बीजेपी को बाहर कर दिया है वहां पर बीजेपी की कोई चर्चा भी नहीं कर रहा है। लेकिन अगर उत्तर भारत में वन टू वन हो जाए तो बीजेपी के लिए मुश्किल हो जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा जिस तरह अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में पिछड़े और दलित के लिए आवाज उठाई है उसके बाद उनका वोट बैंक काफी अच्छा हो जाएगा और ऐसे में अगर मायावती और अखिलेश यादव एक जुट हो जाते है तो भाजपा को प्रदेश से आने वाले साल में बहर का रास्ता दिखाया जा सकता है।

आरक्षण पर हम ओबीसी समाज के साथ : निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण पर कहा कि निषाद पार्टी आरक्षण के मुद्दे पर ओबीसी वर्ग के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ी है। साथ ही मैं जिस सरकार का हिस्सा हूं वह भी ओबीसी के नेतृत्व में बनी हुई सरकार है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ओबीसी के हित में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने उच्च न्यायालय के फैसले के 24 घण्टे के अंदर ओबीसी आयोग का गठन कर अन्य पिछड़ा वर्ग के हित मे कार्य किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश और देश के अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा और पूरी निष्ठा के साथ ओबीसी को समाज और विकास की मुख्यधारा के साथ जोड़ा जाएगा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है। डॉ. संजय निषाद ने बताया कि निषाद पार्टी भी सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण को लेकर याचिका दायर करेगी, क्योंकि जब तक यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि उत्तर प्रदेश का मछुआ समुदाय किस जाति प्रमाण पत्र के साथ चुनाव लड़ेगा। बताया कि सेन्सस मैनुअल 1961 में मझवार, तुरैहा अनुसूचित जाति के हकदार है और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा 31 दिसम्बर 2016 में हमारी जाति को पिछड़ी से निकाल दिया गया है।

हवाई यात्रा का रिकार्ड बनाने वाले मोदी से भी एक बार पूछ लें सुशील : ललन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। हेलीकाप्टर और हवाई जहाज की खरीद पर सवाल उठाने वाले पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी से जदयू ने आग्रह किया है कि विदेशी उड़ानों का रिकार्ड तोड़ने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस विषय में कुछ पूछ लें।

मालूम हो कि सुशील मोदी बिहार सरकार के हेलीकाप्टर और हवाई जहाज खरीद के निर्णय को धन की बर्बादी बता रहे हैं। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने सुशील मोदी को संबोधित एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा कि आपकी यह प्रतिक्रिया देखकर घोर आश्चर्य हुआ। आपका स्वभाव ऐसा नहीं था। लगता है कि नीतीश ने आप लोगों के षड्यंत्र के कारण एनडीए का साथ छोड़ दिया। उसी कुंठा में आप अनर्गल प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ कहने से पहले देश की जर्जर अर्थव्यवस्था का अध्ययन तो कीजिए। प्रधानमंत्री के सपनों की उड़ान के लिए 8,458 करोड़ रुपया खर्च किया गया। विदेशी उड़ानों पर 2021 करोड़ रुपया खर्च हो चुका है। इस विषय पर आप चुप क्यों हैं? विदेशी उड़ानों का रिकार्ड तोड़ने वाले पीएम मोदी जी से भी कुछ पूछ लिजिए।

गुजरात सरकार ने भी की है खरीद

जदयू के प्रवक्ता प्रो. रणवीर नंदन ने कहा कि भाजपा शासित राज्य सरकारें भी हेलीकाप्टर और हवाई जहाज खरीद रही हैं। गुजरात सरकार ने 2019 में इनकी खरीद की है। भाजपा के नेता सबसे अधिक हवाई जहाज और हेलीकाप्टर का उपयोग करते हैं। लेकिन, इस पर कभी कोई सवाल नहीं पूछता। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में राज्य सरकार इन साधनों का उपयोग आम जनता के लिए भी करती है। इस खरीद को विवाद में लाना कहीं से उचित नहीं है।

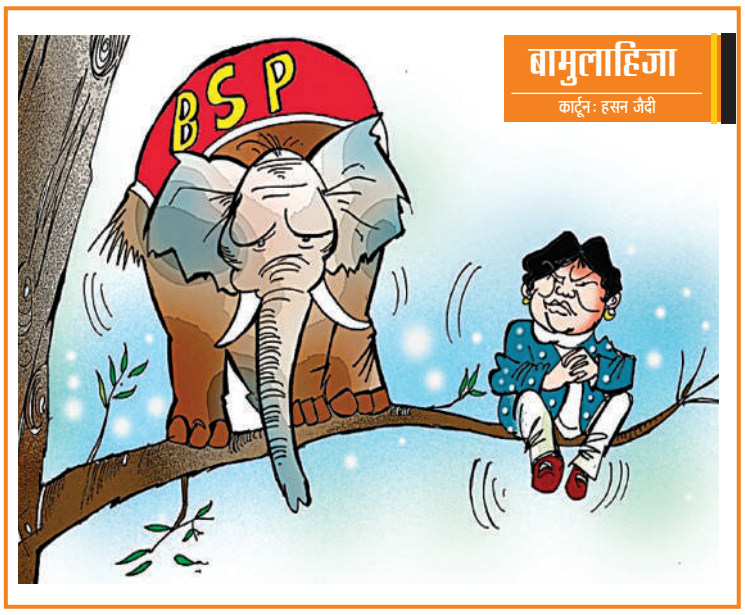

सीएम योगी, केशव मौर्य, ब्रजेश पाठक और मायावती ने हीराबा के देहांत पर जताया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीएम नरेन्द्र मोदी की मां हीराबा के देहांत की खबर से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। हीराबा को एक दिन पूर्व ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। देश में जगह जगह उनके स्वस्थ होने के लिए हवन पूजन किए जा रहे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक सहित बसपा प्रमुख मायावती ने भी ट्वीट कर दुख जताया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया है कि एक पुत्र के लिए मां पूरी दुनिया होती है। मां का निधन पुत्र के लिए असहनीय और अपूरणीय क्षति होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूज्य माता जी का निधन अत्यंत दु:खद है। प्रभु श्री राम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। शांति! उप मुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की पूज्य माता हीराबेन जी का निधन अत्यंत दु:खद है। प्रभु श्रीराम जी से प्रार्थना करता हूं कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें, शोक की इस घड़ी में प्रधानमंत्री जी, परिजनों, शुभचिंतकों व समर्थकों को संबल प्रदान करें।

ब्रजेश पाठक ने जताया दुख

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने ट्वीट कर कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूज्य माता जी के अत्यंत दु:खद निधन से स्तब्ध व दुखी हूं। प्रभु श्री राम जी से प्रार्थना है कि गोलोकवासी पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

बसपा प्रमुख ने दी श्रद्धांजलि

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की माता हीराबेन के निधन हो जाने की खबर अति-दु:खद। उनके पूरे परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन्हें एवं उनके सभी चाहने वालों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र का 6 माह बढ़ेगा कार्यकाल

» केंद्र को भेजा गया पत्र, आज आ सकता है आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र का कार्यकाल छह माह और बढ़ेगा। राज्य सरकार ने उनका कार्यकाल बढ़ाने के लिए केंद्र को पत्र भेज दिया है। संभावना जतायी जा रही है कि उनका कार्यकाल बढ़ाये जाने का आदेश शुक्रवार को जारी हो सकता है।

दुर्गा शंकर मिश्र केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव पद से पिछले वर्ष रिटायर हुए थे। केंद्र सरकार ने सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पिछले वर्ष 30 दिसंबर को प्रदेश का मुख्य सचिव नियुक्त किया था। मुख्य सचिव के रूप में

उनका कार्यकाल एक वर्ष था। यह अवधि समाप्त होने से पहले ही राज्य सरकार ने उनका कार्यकाल बढ़ाये जाने के लिए केंद्र को अनुरोध पत्र भेज दिया है। राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि अगले वर्ष फरवरी में लखनऊ में प्रस्तावित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 और जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत प्रदेश में होने वाले कार्यक्रमों के दृष्टिगत उनका कार्यकाल बढ़ाया जाना उचित होगा।

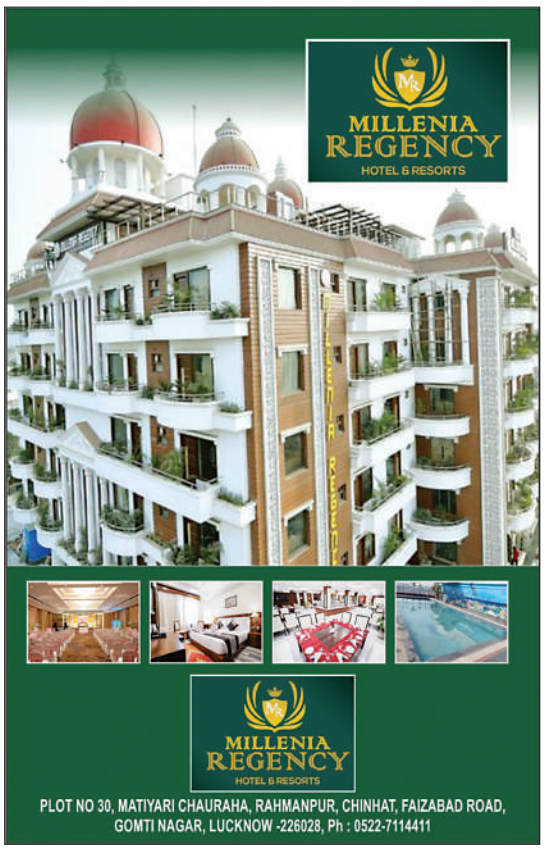

बिहार में सरकारी विमान खरीदने पर सियासी पारा चढ़ा

दिल्ली की तैयारी में जुटे नीतीश कुमार पर भाजपा के तीखे हमले

हयात अब्बास

पटना। बिहार में महागठबंधन की सरकार है जिसमे नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव हैं बिहार में 8 बार मुख्यमंत्री बन चुके नीतीश कुमार अब केंद्र के लिए तैयार हो रहें हैं। सूत्रों की माने तो बिहार की कमान अब नितीश कुमार जल्द ही तेजस्वी यादव को सौंप सकते है। आपको बता दें कि नीतीश कुमार ने 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ने को कहा था। लेकिन मुख्यमंत्री के बेहद करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी से तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने को लेकर सवाल किया गया जिसमे उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री किसे बनना है ये जनता तय करती है।

उनका ये जवाब मायने रखता है मतलब साफ है कि बिहार की जनता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के इस फैसले से नीतीश कुमार के वोटर्स नाराज है। इसके बाद विजय कुमार चौधरी कहा कि अगर भाजपा को हराना चाहते हैं तो सभी पार्टीयों को एक होना पड़ेगा। बता दें बिहार की सियासत में इस वक्त हलचल मची हुई है, इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नजर राजधानी पर है। मिशन 2024 की रफ्तार में तेजी लाने के लिए नीतीश सरकार ने 1 विमान और 1 हेलिकॉप्टर खरीदने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के पास वीआईपी मूवमेंट के लिए अभी किंग

एयर सी-90 ए/बी विमान और वीटी-ईबीजी हेलिकॉप्टर है। बता दें नीतीश कुमार पहली बार अपने किए कामों की मॉनिटरिंग के लिए 5 जनवरी को यात्रा निकालेंगे। ये यात्रा प्रदेश के कई जिलों में जाएगी। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान निकालेंगे।

सरकारी हेलीकॉप्टर दुरुपयोग की चीज नहीं है

विजय चौधरी ने कहा कि हेलीकॉप्टर हो या प्लेन ये चीजें सरकार की जरूरत की चीज है। यह ना तो किसी को गिफ्ट करने की चीज है और ना ही दुरुपयोग करने की चीज है। जहां तक मुख्यमंत्री बनाने की बात है तो यह तो बिहार की जनता तय करेगी। बहुत लोग कहते हैं कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने के लिए तेजस्वी को सीएम बनाएंगे। प्रधानमंत्री तो देश की जनता बनाती है और मुख्यमंत्री राज्य की जनता बनाती है। जिस दिन देश की जनता को किसी को प्रधानमंत्री बनाना होगा और जिस दिन बिहार की जनता को किसी को मुख्यमंत्री बनाना होगा, फिर कोई रोक पाएगा क्या। विजय चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री बनने को लेकर भी इससे इंकार किया है । उन्होंने कहा नीतीश कुमार प्रधानमंत्री के उमीदवार नहीं हैं। उनका एक ही लक्ष्य है कि बीजेपी के खिलाफ देश की राजनीतिक पार्टियां एकजुट हों। जब सभी राजनितिक दाल एक जुट हो जाएंगे तभी भजपा को हराना संभव होगा।

साफ छवि से घबराई है भाजपा: चौधरी

बिहार सरकार की ओर से हेलीकॉप्टर और विमान खरीदे जाने पर बीजेपी की ओर से सवाल उठाए जाने पर विजय चौधरी ने कहा कि ये बीजेपी के लोग विकृत मानसिकता के लोग हैं। नीतीश कुमार के बारे में बिहार को तो छोड़िए पूरा देश जानता है कि इन सब मापदंडों पर उनका चरित्र बेमिसाल है। हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज तो छोड़िए, वह तो पटना में सरकारी आवास से पार्टी ऑफिस भी जाते हैं तो वह अपने निजी वाहन से जाते हैं। दिल्ली अगर पार्टी के काम से या किसी राजनीतिक काम से जाते हैं तो कभी सरकारी खर्चे से नहीं जाते हैं। ऐसे में हेलीकॉप्टर या प्लेन का यूज निजी काम में करने का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने बताया कि नीतीश कुमार के पास एक निजी सफारी कार है और दूसरा सरकारी वाहन है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव करीब 35 साल का हो चुका है। इतने लंबे कॅरिअर में नीतीश कुमार के ऊपर कोई सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग या भ्रष्टाचार को लेकर कोई उंगली भी उठा पाया है क्या। उन्होंने कहा कि सुशील कुमार मोदी तो कमाल के नेता हैं। वह कहते हैं कि प्रधानमंत्री की बैठकों में नीतीश कुमार नहीं जाते हैं, क्योंकि ये आंख मिला नहीं सकते। प्रधानमंत्री से आंख मिलाने को सुशील कुमार मोदी परेशान हैं। लेकिन पीएम उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं। नीतीश कुमार तो प्रधानमंत्री से अपना काम और उपलब्धि गिनाते हैं, जिसमें वह हमेशा ऊपर दिखते हैं।

जाम से मिलेगी निजात

मिठाई वाले चौराहे से हुसड़िया चौराहे तक बनेगा फ्लाईओवर

जल्द ही पीडब्ल्यूडी और सेतु निगम के इंजीनियर शुरू कर सकते हैं सर्वे

पूरे रूट पर एलिवेटेड रोड बनाने का है प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ में ट्रैफिक जाम की समस्या से आए दिन लोग परेशान रहते हैं पूरे लखनऊ शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या आम हो गयी है शहर के कोने-कोने में ट्रैफिक जाम एक गंभीर रूप ले रहा है जिससे के चलते लोगों की दिक्कते बढ़ती जा रहीं हैं लेकिन इस बीच एक रहत की खबर है, दरअसल अब जल्द ही इस ट्रैफिक जाम से निजात मिल सकती है। सबसे ज्यादा ट्रैफिक जाम की समस्या गोमतीनगर में देखने को मिलती है।

दरअसल यहां शहर के सबसे ज्यादा ऑफिस होने की वजह से यहां लोगों को लम्बा ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। जिसकी वजह से लोगों कही पहुंचने में काफी समय लग जाता है। लेकिन अब इस समस्या को दूर करने के लिए मिठाई वाले चौराहे से हुसड़िया चौराहे तक फ्लाईओवर बनाया जा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार , इसके लिए जल्द ही पीडब्ल्यूडी और सेतु निगम के इंजीनियर सर्वे शुरू कर सकते हैं। रक्षा मंत्री व लखनऊ सासंद राजनाथ सिंह के प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी ने मिठाई वाले चौराहे से हुसड़िया चौराहे तक फ्लाईओवर का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी को भेजा है। इसके मुताबिक, मिठाई वाला चौराहे से मनोज पांडेय चौराहे तक कैरेज-वे और सर्विस लेन मिलाकर दयाल पैराडाइड तक चौड़ीकरण करवाया जाएगा। इसके साथ ही पूरे रूट पर एलिवेटेड रोड बनाने का प्रस्ताव है। इससे लोहिया पथ से शहीद पथ आने-जाने वाले वाहन मिठाई वाला चौराहा, मनोज पांडेय चौराहा और पत्रकारपुरम चौराहे पर जाम में नहीं फसेंगे। इसके साथ आसपास के लोगों को भी रोजाना के ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी।

> “ पीडब्ल्यूडी के एसीएस को चिट्ठी भेजी गई है। इसके साथ सर्वे करवाने का भी अनुरोध किया गया है। हुसड़िया, मनोज पांडेय और पत्रकारपुरम तक यातायात दबाव के मुकाबले रास्ता चौड़ा नहीं है। यहां एलिवेटेड रोड बनने से लोगों को काफी राहत मिलेगी।
>
> दिवाकर त्रिपाठी, सांसद प्रतिनिधि

विशाल खंड तीन में जल निकासी के लिए पुलिया निर्माण का प्रस्ताव

आपको बता दें कि समतामूलक चौराहे पर पहले से फ्लाईओवर प्रस्तावित है। ऐसे में फ्लाईओवर के निर्माण के साथ इस चौराहे को भी रीडिजाइन करने पर भी विचार चल रहा है। इसके साथ ही नीलकंठ रोड से अतिक्रमण हटाकर जलकल के पास एक नया चौराहा बनाया जाएगा। वहीं, शंकर चौराहे का भी रीडिजाइन किया जाएगा। विशाल खंड तीन में जल निकासी के लिए पुलिया निर्माण का प्रस्ताव है। इसके साथ पूर्वांचल आपार्टमेंट विनम्रखंड, उजरियांव, विवेक खंड और गोमतीनगर मार्केट के पीछे जल निकासी के प्रबंध किए जाएंगे। वहीं, लोहिया चौराहे से जुगौली तक फुटपाथ की मरम्मत करवाई जाएगी। गौरतलब है कि फ्लाईओवर का प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो लखनऊ वासियों को ट्रैफिक की समस्या से समाधान मिल जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नीतीश की उड़ान पर सवाल

एक सवाल भाजपा को अपने पार्टी के प्रधानमंत्री पद पर आसीन व्यक्ति से पूछना भी बनता है,मगर उस पर शायद ही भाजपा का कोई नेता सवाल करने की हिमाकत कर सके। फिलहाल भले ही नीतीश के जेट विमान पर भाजपा लाख सवाल खड़े करे, मगर नैतिकता के आधार पर मोदी से तुलना की जाए तो इस सवाल के कोई मायने नहीं रह जाते है।

बिहार सरकार के जेट विमान खरीदने की खबर आती ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। 12 सीटर इस विमान की कीमत दो सौ पचास करोड़ रुपये बताई जा रही है। राज्य में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी इस पर सवाल उठा रही है और जनता के पैसों की बर्बाद बता रही है। नीतीश कुमार के इस कदम से शायद भाजपा को लग गया है कि यह उनकी 2024 की तैयारी से पूर्व की कसरत है। यही वजह है जो भाजपा के बड़े नेता इस बहाने नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं। हालांकि विमान की खरीद के लिए बिहार सरकार के अपने तर्क हैं, मगर भाजपा इस पर उसे घिरने के लिए एडी-चोटी का जोर लगा रही है। इसकी वजह भी साफ है कि कुछ महीने पहले ही नीतीश कुमार के दल जेडीयू ने बिहार में भाजपा का साथ छोड़कर राजद से हाथ मिलाया है। इसकी टीस उसके लिए दर्ददायक बनी हुई है। नये गठबंधन के बनने से बिहार राज्य में सत्ता से बाहर होने का गम भी भाजपा के लिए बड़ा है।

दरअसल, लोकसभा की 40 सीटों वाले इस प्रदेश में पिछले आम चुनाव में जेडीयू-भाजपा ने मिलकर 39 सीटें जीती थी और केंद्र में मोदी-2 सरकार बनने का रास्ता आसान किया था। इधर लालू प्रसाद यादव के दल राजद से गठजोड़ के बाद नीतीश कुमार ने अघोषित तौर पर राष्ट्रीय राजनीति में पदार्पण कर लिया। भले ही वह अभी सीएम की कुर्सी पर आसीन हैं, मगर उन्होंने अपनी बड़ी कुर्सी के लिए लड़ाई के इरादों को जग-जाहिर तो कर ही दिया है। नीतीश दूसरे नेताओं के मुकाबले साफ छवि के नेता माने जाते हैं और सुशासन बाबू सियायत में उनका दूसरा नाम हैं। दूसरी बड़ी बात उनका अपने राज्य में पूर्ण शराबबंदी है। ऐसे में उनकी नये जेट विमान की उड़ान पर भाजपा सवाल तो उठा रही है, मगर शायद यह भूल गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक विमान की कीमत साढ़े 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की है। जो शायद पीएम मोदी के दल को जनता के पैसों की बर्बादी नहीं दिखती है। एक सवाल भाजपा को अपने पार्टी के प्रधानमंत्री पद पर आसीन व्यक्ति से भी पूछना चाहिए, मगर उस पर शायद ही भाजपा का कोई नेता जुबान खोलने की हिमाकत कर सके। फिलहाल भले ही नीतीश के जेट विमान पर भाजपा लाख सवाल खड़े करे, मगर नैतिकता के आधार पर मोदी से तुलना की जाए तो इस सवाल के कोई मायने नहीं रह जाते है। जिस पार्टी का नेता हजारों करोड़ के जेट प्लेन से दुनिया घूम रहा है उस दल का दूसरे पार्टी के नेता से महज दो सौ पचास करोड़ के विमान पर सवाल पूछना शोभनीय नहीं है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोचर और धूत ही गिरफ्तार क्यों?

रजनीश कपूर

पिछले दिनों सीबीआई द्वारा आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडीव सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर की गिरफ्तारी की खबर सुर्खियों में थी। उसके बाद हाल ही में वीडियोकॉन के अध्यक्ष वेणुगोपाल धूत को भी सीबीआई ने बैंक फ्रॉड मामले में गिरफ्तार किया। तमाम सबूतों के बावजूद सीबीआई ने 2019 में एफआईआर दर्ज की और जांच करने लगी। आश्चर्य है कि आरोपियों की गिरफ्तारी तीन बरस बाद दिसंबर 2022 में ही की गई। सीबीआई के इस ढुलमुल रवैये से सवाल उठता है कि देश में ऐसे कितने और मामले हैं जिन पर सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियां इसी तरह ढुलमुल रवैया अपना रही हैं?

कोचर दंपत्ति की जमानत के लिए बहस करते हुए उनके वकीलों ने कोर्ट में कहा कि, जनवरी 2019 से अब तक कोचर दंपत्ति उपलब्ध थी, तो फिर इतने सालों में उन्हें जांच के लिए क्यों नहीं बुलाया गया? वकील के अनुसार, जुलाई 2022 तक सीबीआई को जांच के लिए उनकी जरूरत तक नहीं थी और अब सीबीआई हिरासत में पूछताछ की मांग कर रही है। कानून के जानकार इसे सीबीआई की कार्यशैली की कमी बताते हैं। बैंक फ्रॉड का ऐसा चर्चित मामला सीबीआई के आलस्य के कारण अगर इस कदर खिंचता है तो जांच एजेंसियों पर सवाल तो उठेंगे ही। ऐसा क्या कारण था कि 2019 में दर्ज एफआईआर पर गिरफ्तारी और पूछताछ इतनी देर से हुई? जिन मामलों में सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों को तत्पर्ता दिखानी होती है वहाँ तो रातों-रात गिरफ्तारी भी हो जाती है और कार्यवाही भी गति पकड़ती है। जहां ढील देने का मन होता है या ऊपर से ढील देने के 'निर्देश' होते हैं, वहां विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहूल चौकसी जैसे आर्थिक अपराधियों को देश छोड़ कर भाग जाने का मौका भी दे दिया जाता है। बैंक फ्रॉड के मामलों में, बिना बैंक के अधिकारियों की सांठ-गांठ के कोई भी बैंक को धोखा नहीं दे सकता। आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि देश के टॉप 50 विल्फुल लोन डिफॉल्टरों' की ऋण की राशि जोड़ी जाए तो वो 92,570 करोड़ रुपये बैठती है। ये रकम इतनी ज्यादा कैसे हो गई? क्या बैंक के अधिकारी सो रहे थे? यदि कोई आम आदमी अपनी नई गाड़ी या नये घर के लिये बैंक से

छोटा सा ऋण लेता है तो तमाम दस्तावेजों पर साइन कराए जाते हैं। गारंटी के तौर पर उसकी चल-अचल संपत्ति के दस्तावेजों को भी बैंक अपने पास गिरवी रख लेता है। परंतु देश के नामी बैंक लुटेरों के लिए सभी नियम और कानूनों की धज्जियां उड़ा दी जाती हैं। ऐसा केवल इसीलिए होता है कि कर्ज लेने वाला बैंक अधिकारियों को कर्ज लेने की एवज में मोटी रिश्वत देता है। कर्ज और ब्याज की राशि जब बहुत बड़ी हो जाती है और बैंक अधिकारी की नौकरी पर बन आती है तो शिकायत और जांच का नाटक शुरू हो जाता है।

विजय माल्या और नीरव मोदी पर इतना हल्ला मचने के बाद जबसे भारत सरकार इस मामले पर गंभीर हुई तो इन दोनों को देश में वापस लाने की प्रक्रिया भी तेज हुई। हमारी सरकार को इन मामलों में कुछ सफलता भी मिल रही है। परंतु जो बैंक लोन का फ्रॉड करने वाले इसी देश में हैं उनका क्या हो रहा है? मिसाल के तौर पर देश के 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफॉल्टरों' की सूची में एक नाम फ्रॉस्ट इंटरनेशनल लिमिटेड का भी है। इनकी बैंक फ्रॉड की रकम 3500 करोड़ से अधिक है। इस कंपनी पर 14 बैंकों के एक समूह के साथ धोखाधड़ी का आरोप है। इस कंपनी के निर्देशकों में उदय देसाई, सुजय देसाई, सुनील वर्मा, अनूप कुमार, बलदेव राज वढ़ेरा और अन्य हैं। गौरतलब है कि बैंक ऑफ इंडिया और इण्डियन ओवरसीज बैंक ने 2020 में उदय देसाई और 13 अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामलों की एफआईआर लिखवाई थी। इतना ही नहीं बैंकों द्वारा इस समूह के निर्देशकों के खिलाफ 'लुक आउट नोटिस' भी जारी करवाया गया था। परंतु इस मामले की जांच कर रही एजेंसियां किन्हीं कारणों से इस गंभीर मामले पर फुर्ती नहीं दिखा रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, 2020 में जब इस मामले की एफआईआर दर्ज हुई थी तब यह मामला नीरव मोदी और मेहूल चौकसी के 13000 करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले के बाद दूसरा बड़ा मामला था।

बैंक की एफआईआर में उदय देसाई और उनके सहयोगियों पर आरोप है कि बैंक से लोन लेने के लिये इन्होंने फर्जी दस्तावेज जमा कराए। देश की शीर्ष जाँच एजेंसियों का सिद्धांत यह होना चाहिये कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। फिर वो चाहे किसी भी विचारधारा या राजनैतिक पार्टी का समर्थक ही क्यों न हो। एजेंसियां ऐसे किसी भी अपराधी को नहीं बख्शेंगी, ऐसा करने से अपराधियों के बीच भी खौफ का संदेश जाएगा और लोगों का इन एजेंसियों पर विश्वास भी बढ़ेगा।

60 साल गुजर गए, कैसे खत्म होगा महाराष्ट्र, कर्नाटक का झगड़ा

गंगाधर ढोबले

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पिछले 60 साल से अनसुलझा है और उसके निकट भविष्य में सुलझने के कोई आसार भी नहीं दिखते। जब-जब महाराष्ट्र या कर्नाटक में चुनाव आते हैं, यह विवाद जोर पकड़ने लगता है। अबकी बार अगले छह महीने में कर्नाटक में चुनाव होने हैं। लिहाजा विवाद को हवा मिलनी ही है। इसलिए कि अस्मिता की आग तपाकर वोट पाने का नुस्खा सभी राजनीतिक दल आजमा चुके हैं। बासी कढ़ी को फिर उबाल लाना ही है। बीस साल की एक पीढ़ी मानें तो लगभग तीन पीढ़ियां बीत चुकी हैं। शायद दोनों राज्यों की युवा पीढ़ी इसमें दिलचस्पी भी खो चुकी हो। उसे फिर से जगाने में राजनीतिक दल लगे हुए हैं। इस विवाद की पृष्ठभूमि में ही इसके अनसुलझे रहने के तार छिपे हुए हैं।

राज्यों के पुनर्गठन के लिए 1953 में फजल अली आयोग गठित किया गया। इसकी रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन कानून बना। इसी वर्ष पुराना मैसूर राज्य कर्नाटक बन गया, जबकि पुराना बंबई प्रांत महाराष्ट्र। महाराष्ट्र ने बेलगांव, कारवार और निपाणी जैसे मराठी भाषी इलाकों को कर्नाटक में शामिल करने पर कड़ी आपत्ति जताई। दोनों ओर हिंसक आंदोलन हुए। इसे शांत करने के लिए एक समिति बनाई गई। न्या. मेहरचंद महाजन इसके प्रमुख थे। इस दौरान 1960 में राज्यों का पुनर्गठन हो गया। सीमा विवाद वैसे ही बना रहा। महाजन समिति ने 1967 में अपनी रिपोर्ट पेश की। समिति ने कर्नाटक के निपाणी, नंदगढ़, खानापुर समेत 264 गांव कर्नाटक से निकालकर महाराष्ट्र को और महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के अक्कलकोट, जत जैसे 247 गांव कर्नाटक को दे दिए। बेलगांव और कारवार कर्नाटक के पास ही रह गए। इससे महाराष्ट्र में फिर नाराजगी फैली। उस समय दोनों राज्यों में कांग्रेस की ही सरकारें थीं, लेकिन कोई हल नहीं निकला। इस समय भी कर्नाटक में बोम्मई के नेतृत्व वाली बीजेपी की सरकार है और महाराष्ट्र में भी बीजेपी के प्रभाव वाली ही शिंदे-फडणवीस सरकार है।

कांग्रेस की सरकारें थीं तब भी और अब बीजेपी की सरकारें हैं तब भी, कोई महाजन रिपोर्ट को मानने को तैयार नहीं है। अंत में महाराष्ट्र ने इस विवाद पर 2004 में सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई। पिछले 18 सालों से यह मामला एडमिशन स्टेज पर ही अटका हुआ है। पिछले 30 नवंबर को सुनवाई थी, लेकिन कुछ हो नहीं पाया। अंत में महाराष्ट्र ने संविधान के अनुच्छेद 131 के अंतर्गत सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया। इस अनुच्छेद के अंतर्गत केंद्र और राज्यों के विवादों को सुप्रीम कोर्ट में लाया जा सकता है। कर्नाटक ने इसके विरोध में अनुच्छेद 3 के हवाले से कहा है कि सुप्रीम कोर्ट को राज्यों की सीमा तय करने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल संसद को है। सुप्रीम कोर्ट को ऐसे विवादों में दखल देने का अधिकार है या नहीं यह मामले का केंद्रबिंदु है। कर्नाटक में अगले छह माह में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां पिछले चुनाव में बीजेपी के विरोधी दलों का बहुमत हो गया था। बाद में बीजेपी ने येदियुरप्पा के जरिए फिर से सत्ता हासिल की। येदियुरप्पा से केंद्र नाराज था ही, इसलिए उन्हें हटाकर बोम्मई को सत्ता सौंपी गई। बोम्मई के कार्यकाल में कोई विशेष उपलब्धि हासिल नहीं हुई। उनकी स्लेट लगभग कोरी ही है। उन्हें इस समय बदला भी नहीं जा सकता। इसलिए भाषा के नाम पर भावनात्मक खेल खेला जा रहा है।

बोम्मई को अचानक याद आया कि महाजन आयोग ने जत तालुका के 40 गांव कर्नाटक को दिए थे। चुनाव की गर्मी पैदा करने के लिए जैसे ही उन्होंने ये गांव कर्नाटक को सौंपने की मांग की, वैसे ही प्रतिवाद में महाराष्ट्र उतर गया। दोनों राज्यों ने एक इंच भी जमीन न देने की बात कही। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीच-बचाव कर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक कराई। तय हुआ कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक यथास्थिति बनाए रखी जाए। लेकिन इस समझौते के दो हफ्ते बाद ही सबकुछ बदल गया और दोनों ओर राजनीतिक तपिश बड़ गई। कर्नाटक विधानसभा के प्रस्ताव पारित करते ही महाराष्ट्र ने भी वैसा ही प्रस्ताव पारित किया। सुलह ज्यादा दिन नहीं चली। इस विवाद का समाधान खोजना टेढ़ी खीर है, लेकिन इसके ये उपाय हो सकते हैं- यथास्थिति कायम रखी जाए। दोनों पक्ष उस पर सहमत हों। केंद्र को फैसले का अधिकार दिया जाए और केंद्र का फैसला दोनों पक्षों के लिए बंधनकारी हो। विवादास्पद इलाकों के बारे में अंतिम फैसला होने तक केंद्रशासित क्षेत्र बनाया जाए जैसा कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने सुझाव दिया है। हालांकि जब वह मुख्यमंत्री थे तब ऐसा कुछ नहीं कहा और सीना तानकर कर्नाटक से इंच-इंच जमीन वापस लेने की गर्जना करते रहे। एक और आयोग या समिति गठित की जाए और उसकी सिफारिशों को दोनों पक्ष मानें। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने का इंतजार करें। इस विवाद का अधिकार क्षेत्र अदालत का है या संसद का यह एक बार तय हो जाए। इसके बाद ही अगले कदम उठाए जांए। कुछ मिलाकर दोनों ओर लेनदेन होनी है। कर्नाटक को महाराष्ट्र के 40 गांवों की अपेक्षा है, जबकि महाराष्ट्र को कर्नाटक से 865 गांवों की। दोनों पक्ष यदि तैयार हों तो केंद्र की निगरानी में मध्यस्थ नियुक्त किए जा सकते हैं, जो समानता के बिंदु खोजें। दोनों पक्ष कुछ न कुछ छोड़ने के लिए तैयार हों। लेकिन इसकी संभावना इस समय तो बिल्कुल दिखाई नहीं देती। इस सीमा विवाद के इतने आयाम हैं और इतनी कथाएं इसके पीछे हैं कि यह शेखचिल्ली की कहानी लगती है, जो अंत के साथ नई कहानी को जन्म दे देती है।

= विटामिन सी =

विटामिन सी से भरपूर खट्टे फल हमारी प्रतिरोधक क्षमता के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। विटामिन सी संक्रमण से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करता है। ऐसे में कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए विटामिन सी से भरपूर संतरा, अमरूद, आंवला, मोसंबी, नींबू, कीवि जैसे फल अपनी डाइट में शामिल जरूर करें।

कोरोना के नए वेरिएंट से सुरक्षित रखेंगे ये तत्व

हल्दी, पालक, अंडा और ड्राई फ्रूट्स इम्युनिटी बढ़ाने में सक्षम

चीन में कोरोना से बिगड़ते हालातों के मद्देनजर अब देश में कोरोना को लेकर सतर्कता काफी बढ़ गई है। कोरोना को फैलने से रोकने के लिए सरकार जरूरी कदम उठा रही है। साथ ही लोगों से भी जरूरी एहतियात बरतने की अपील कर रही है। दुनिया के कुछ देशों में कोरोना के नए वेरिएंट के बढ़ते मामलों ने एक बार फिर सभी की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब नए वेरिएंट से खुद का बचाव बेहद जरूरी है। खतरनाक माना जाने वाला कोरोना का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन बीएफ-7 तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। भारत में भी इस नए वेरिएंट ने दस्तक दे दी है। ऐसे में अगर आप भी वेरिएंट से खुद को बचाना चाहते हैं, तो जरूरी है कि आपकी इम्युनिटी काफी मजबूत हो। सर्दियों में इम्युनिटी काफी कमजोर हो जाती है, जिसकी वजह से लोग आसानी से संक्रमण का शिकार हो जाते हैं। अगर आप कोरोना से बचाव चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन फूड आइटम्स को शामिल कर अपनी इम्युनिटी मजबूत कर सकते हैं।

हल्दी

औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण इम्युनिटी मजबूत करने में काफी कारगर होती हैं। इसके अलावा हल्दी के सेवन से सर्दी, खांसी, गले की खराश और बुखार आदि से भी राहत मिलती है। कोरोना से बचाव के लिए रोजाना दूध में हल्दी डालकर पीने से फायदा मिलेगा।

पालक

हरी पत्तेदार सब्जियां हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी होती है। सर्दियों में मौसम में कई तरह की साग और भाजियां उपलब्ध रहती हैं। इन्हीं में से एक पालक भी इम्युनिटी बढ़ाने के लिए काफी फायदेमंद है। पोषक तत्वों से भरपूर पालक इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ ही आंखों की रोशनी के लिए भी गुणकारी है। पालक में मौजूद विटामिन सी, जिंक वॉलेट और एंटीऑक्सीडेंट सेहत को फायदा पहुंचाते हैं।

अंडा

विटामिन, ओमेगा 3 फैटी एसिड और मिनरल आदि से भरपूर अंडा भी हमारी प्रतिरोधक क्षतमा के लिए काफी गुणकारी है। नियमित तौर पर अंडे के सेवन से न सिर्फ इम्युनिटी मजबूत होती है, बल्कि आपको उर्जा भी मिलती है। कोरोना से बचाव के लिए अपनी डाइट में अंडा शामिल करना फायदेमंद होगा।

ड्राई फ्रूट्स

अक्सर हलवे या खीर आदि में इस्तेमाल होने वाले ड्राई फ्रूट्स भी कोरोना से बचाव में फायदेमंद साबित होंगे। ड्राई फ्रूट्स प्रोटीन, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इन्हें खाने से इम्युनिटी बूस्ट होने के साथ ही शरीर को उर्जा भी मिलेगी।

हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा: मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहीये! पति: ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पति: नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

इंग्लिश ग्रामर की टीचर: आज हम नाउन पढ़ेंगे, टीचर: लड़की सबसे हंस के बात करती है, इसमें लड़की क्या है? पप्पू- मैडम जी वो लड़की बिगड़ी हुई है, किसी लड़के के चक्कर में पड़ी है।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बाप: पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

मेरे एक पड़ोशी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि, 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊ की भक्ति में तो मन लगाता हुं, पर भगवान नहीं मान रहे।

कहानी | चांद पर खरगोश

बहुत समय पहले एक जंगल में चार दोस्त रहते थे, खरगोश, सियार, बंदर और ऊदबिलाव। इन सभी दोस्तों की एक ही चाहत थी, सबसे बड़ा दानवीर बनना। एक दिन चारों ने एक साथ फैसला लिया कि वो कुछ-न-कुछ ऐसा ढूंढकर लाएंगे, जिसे वो दान कर सकें। ऊदबिलाव गंगा तट से लाल रंग की सात मछलियां लेकर आ गया। सियार दही से भरी हांडी और मांस का टुकड़ा लेकर आया। बंदर बाग से आम के गुच्छे लेकर आया। लेकिन खरगोश को कुछ नहीं समझ आया। खरगोश से तीनों मित्रों ने पूछा, अरें! तुम क्या दान करोगे? आज ही के दिन दान करने से महादान का लाभ मिलेगा, खरगोश ने कहा, हां, मुझे पता है, इसलिए आज मैंने खुद को दान करने का फैसला लिया है। यह सुनकर खरगोश के सारे दोस्त हैरान हो गए। जैसे ही इस बात की खबर इंद्र देवता तक पहुंची, तो वो सीधे धरती पर आ गए। इंद्र साधु का भेष बनाकर चारों मित्रों के पास पहुंचे। पहले सियार, बंदर और ऊदबिलाव ने दान दिया। फिर खरगोश के पास इंद्र देवता पहुंचे और कहा तुम क्या दान दोगे। खरगोश ने बताया कि वो खुद को दान कर रहा है। इतना सुनते ही इंद्र देव ने वहां अपनी शक्ति से आग जलाई और खरगोश को उसके अंदर समाने के लिए कहा। खरगोश हिम्मत करके आग के अंदर घुस गया। इंद्र यह देखकर हैरान रह गए। और इंद्र देव यह देख बहुत खुश हुए। उधर, खरगोश आग में भी सही सलामत खड़ा था। तब इंद्र देव ने कहा, मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। यह आग मायावी है, इसलिए इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। इतना कहने के बाद इंद्र देव ने खरगोश को आशीर्वाद देते हुए कहा, तुम्हारे इस दान को पूरी दुनिया हमेशा याद करेगी। मैं तुम्हारे शरीर का निशान चांद पर बनाऊंगा। इतना कहते ही इंद्र देव ने चांद में एक पर्वत को मसलकर खरगोश का निशान बना दिया। तब से ही मान्यता है कि चांद पर खरगोश के निशान हैं और इसी तरह चांद तक पहुंचे बिना ही, चांद पर खरगोश की छाप पहुंच गई।

7 अंतर खोजें

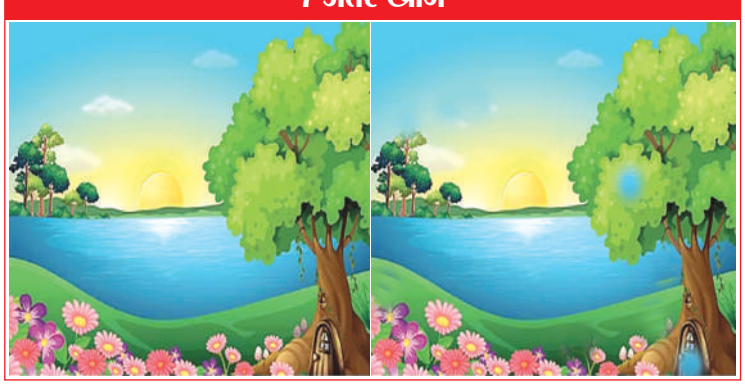

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे। लेकिन तरक्की की रफ्तार बरक़रार रखने के लिए मेहनत इसी तरह जारी रखें।

वृषभ

विश्वास कीजिए कि खुद पर यकीन ही बहादुरी की असली परख है, क्योंकि इसी के बल पर आप लम्बे वक्त से चली आ रही बीमारी से निजात पा सकते हैं।

मिथुन

यह हंसी की चमक से उजला दिन है, जब ज्यादातर चीजें आपके मन के मुताबिक होंगी। नया आर्थिक करार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ आएगा।

कर्क

आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों को खुश रखेगा। अगर सफर कर रहे हैं तो अपने सामान का विशेष ध्यान रखें ऐसा नहीं करते हैं तो सामान के चोरी होने की संभावना है।

सिंह

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा।

कन्या

घर और दफ्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आपकी मनोकामनाएं दुआओं के जरिए पूरी होंगी और सौभाग्य आपकी तरफ आएगा।

तुला

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है।

वृश्चिक

थोड़ा विश्राम करें और काम के बीच-बीच में जितना हो सके, उतना आराम करते रहें। आपको मेरी सलाह है कि शराब सिगरेट जैसी चीजों पर पैसा खर्च न करें।

धनु

आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों को खुश रखेगा। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है।

मकर

आपकी उम्मीद एक महक से भरे हुए खूबसूरत फूल की तरह खिलेगी। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। मुहब्बत और रोमांस आपको खुशमिजाज रखेगे।

कुम्भ

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही खर्चों में भी इजाफा होगी।

मीन

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए।

बॉलीवुड | मन की बात

गर्लफ्रेंड को गिफ्ट देने पर मां ने की थी पिटाई : पुलकित

पुलकित सम्राट ने गुरुवार को अपना 38वां जन्मदिन मनाया। उनका जन्म 29 दिसंबर 1983 को दिल्ली की पंजाबी फैमिली में हुआ था। उनके पिता सुनील सम्राट एक बिजनेसमैन हैं। पुलकित सम्राट की पढ़ाई-लिखाई दिल्ली में ही हुई है। ग्रेजुएशन और एडवर्टाइजिंग के कोर्स के बाद उन्हें मॉडलिंग का ऑफर मिला था। कोर्स को बीच में ही छोड़कर पुलकित माया नगरी पधार गए थे और यहीं से शुरू हुआ उनका फिल्मी सफर। पुलकित सम्राट ने इस किस्से को खुद शेयर किया। मीडिया से बात करते हुए पुलकित ने कहा कि मैं जब स्कूल में पढ़ता था तो मुझे बहुत प्रपोजल मिलते थे। मेरे सीनियर्स के प्रपोजल मेरे पास आता था मेरी एक गर्लफ्रेंड थी। मैं अपनी पॉकेट मनी से पैसे बचाकर उसे वेलेंटाइन डे पर गिफ्ट दिया करता था। एक दिन मैंने सोचा था दुकानदार के उधार के पूरे पैसे चुका देता हूं। मेरी किस्मत खराब थी और उसी दिन दुकानदार मेरे घर पहुंच गया और मां के सामने सारी पोल पट्टी खोल कर रख दी। एक्टर ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि उस दिन मेरा घर जाने का बिल्कुल मन नहीं था, क्योंकि मुझे पता चल चुका था कि वो मेरे घर पर पहुंच चुका है। जब मैं पहुंचा तो मेरी मां ने मेरी चप्पलों से कुटाई कर दी। पुलकित सम्राट उन चुनिंदा एक्टर्स में से हैं जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की। आज वह मेहनत के दम पर बॉलीवुड के फेमस एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। पुलकित सम्राट ने अपने करियर की शुरुआत साल 2006 में एकता कपूर के मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। पुलकित सम्राट ने यूं तो कई फिल्मों में काम किया , लेकिन उनके करियर ने कटवट फिल्म 'फुकरे' से ली। पुलकित ने अपना बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'बिट्टू बॉस' से किया था। लेकिन उन्हें नाम साल 2013 में आई 'फुकरे' फिल्म से मिला।

अंबानी परिवार की छोटी बहू बनेंगी राधिका

अंबानी परिवार में जश्न का माहौल है। मुकेश अंबानी के छोटे बेटे जल्द दूल्हा बनने वाले हैं। अनंत अंबानी को अफनी लाइफ पार्टनर मिल गई हैं। वो राधिका मर्चेंट के साथ शादी करने वाले हैं। हालांकि दोनों परिवारों का मेल मिलाप काफी पुराना है । अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की रोका सेरेमनी राजस्थान स्थित श्रीनाथजी मंदिर में हुई। अनंत और राधिका हमेशा से ही फैमिली के बड़े फंक्शन में साथ में दिखाई देते रहे हैं। ऐसे में सवाल आता है कि दोनों की शादी कब होने वाली है।

अनंत अंबानी संग हुआ रोका

राधिका विरेन मर्चेंट और शैला मर्चेंट की बेटी है। विरेन एक बड़ी कंपनी के सीईओ हैं। राधिका ने अपनी सारी पढ़ाई मुंबई से पूरी की है। इसके बाद वो आगे की पढ़ाई के लिए न्यूयॉर्क चली गईं। राधिका की पढ़ाई पॉलिटिक्स और इकोनॉमिक्स में हुई है। राधिका मर्चेंट बेहद मल्टीटैलेंटेड है। जून 2022 में अंबानी परिवार ने राधिका के लिए अरंगेत्रम सेरेमनी रखी थी। ऐसे में राधिका के डांस के वीडियोज भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे। ऐसे में सेरेमनी में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां भी शामिल हुईं।

पठान पर सेंसर बोर्ड की जमकर चली कैंची

रोमांस किंग की पठान को लेकर जारी बवाल पर अब सेंसरबोर्ड की कैंची चलने वाली है। एक्शन अवतार में नजर आने के लिए शाहरुख खान ने बहुत मेहनत की है। वहीं फिल्म की बात करें तो बेशरम रंग ने तो काफी लोगों की भावनाओं को आहत किया ही। ऐसे में फिल्म पर सेंसर बोर्ड की कैंची भी चलने ही वाली है। दरअसल पठान सेंसर सर्टिफिकेशन के लिए सेंसर बोर्ड पहुंची। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने फिल्म देखने के बाद कुछ बदलावों का सुझाव दिया है। इन बदलावों में पठान का बेशरम रंग भी शामिल है। गाने में दीपिका की भगवा बिकनी और शाहरुख खान की ग्रीन टी शर्ट पर भी विवाद किया।

पठान 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। ऐसे में फिल्म को लेकर सेंसर के ये बदलाव क्या पठान करवाने के लिए तैयार होगी। ऐसे में लिस्ट में किस तरह के बदलावों की बात की गई है इसे लेकर अभी कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं मिली है।
फिल्म के गानों को लेकर यहां तक कहा गया कि ये पुराने गानों की कॉपी है। हाल ही में अयोध्या में शाहरुख खान के ना केवल पोस्टर्स जलाए गए बल्कि उनकी तेरहवीं भी की गई। ऐसे में शाहरुख खान के फैंस कमर की पेटी बांधकर सही में तैयार बैठे हैं कि आगे इस कहानी में क्या मोड़ आने वाला है।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | सोलन के मंदिर को माना जाता है रहस्यमयी

मंदिर के पत्थरों को थपथपाने से आती है डमरू की आवाज

हमारे देश में रहस्यों की कमी नहीं है। इनमें से तमाम रहस्य मंदिरों में मौजूद हैं। देश के हर कोने में आपको कोई न कोई ऐसा मंदिर जरूर मिल जाएगा जो अपने आप में कोई न कोई रहस्य जरूर रखते हैं। आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में आपने आज तक नहीं सुना होगा। इस मंदिर की खास बात ये है कि इस मंदिर के पत्थरों को थपथपाने पर इसमें से डमरू जैसी आवाज निकलती है।

भगवान शिव के समर्पित ये मंदिर हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित है। इस मंदिर के बारे में दावा किया जाता है कि यह एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहा जाता है। यहां सैकड़ों मंदिर में और सभी मंदिर रहस्यों से भरे पड़े हैं। सोलन जिले में मौजूद इस मंदिर का नाम जटोली शिव मंदिर है। बता दें कि दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने इस मंदिर की ऊंचाई लगभग 111 फुट है।

मंदिर का भवन निर्माण कला का एक बेजोड़ नमूना है, जो देखते ही बनता है। इस मंदिर को

लेकर ये मान्यता है कि पौराणिक काल में भगवान शिव यहां आए थे और कुछ समय के लिए यहां रहे भी थे। बाद में 1950 के दशक में स्वामी कृष्णानंद परमहंस नाम के एक बाबा यहां आए, जिनके मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश पर ही जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

उसके बाद साल 1974 में उन्होंने ही इस मंदिर की नींव रखी थी। हालांकि, साल 1983 में उन्होंने समाधि ले ली लेकिन मंदिर का निर्माण कार्य रूका नहीं बल्कि इसका कार्य मंदिर प्रबंधन कमेटी देखने लगी। जटोली शिव मंदिर को पूरी तरह तैयार होने में करीब 39 साल का समय लगा था। करोड़ों रुपये की लागत से बने इस मंदिर की सबसे खास बात ये है कि इसका निर्माण देश-विदेश के श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान के पैसों से हुआ है।

यही वजह है कि इसे बनने में तीन दशक से भी ज्यादा का समय लगा। इस मंदिर में हर तरफ विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं जबकि मंदिर के अंदर स्फटिक मणि शिवलिंग स्थापित हैं। इसके अलावा यहां भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। वहीं, मंदिर के ऊपरी छोर पर 11 फुट ऊंचा एक विशाल सोने का कलश भी स्थापित है, जो इसे बेहद ही खास बना देता है। हर साल यहां हजारों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और अपने लिए कामना करते हैं।

कभी लेट नहीं होती कोई ट्रेन, देरी पर अधिकारियों को मांगनी पड़ती है माफी

उत्तर भारत में पिछले कई दिनों से भीषण सर्दी पड़ रही है। इसके साथ ही कोहरे ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। ऐसे में बस और रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है और रेलवे रोजाना कई ट्रेनों को रद्द कर रहा है, इसके साथ ही जो ट्रेनें चल रही हैं वह भी समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच रही। यही नहीं हमारे देश में शायद ही कोई ट्रेन अपने समय पर गंतव्य स्टेशन तक पहुंचती हो। आज हम आपके एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां ट्रेन एक घंटा या एक मिनट तो क्या एक सेकंड भी लेट नहीं हो सकती। यही नहीं अगर कोई ट्रेन देरी से पहुंचती है तो रेलवे के कर्मचारी इसके लिए यात्रियों से माफी मांगते हैं। जापान में ट्रेनों के समय को लेकर कई बातें बताई जाती हैं। यहां तक कि जापान के लोग ट्रेन के आने जाने से अपनी घड़ी का समय मिलाते हैं। जापान में कभी घंटों में ट्रेन लेट ही नहीं हुई है। यहां तक कि मिनटों में भी ट्रेन लेट नहीं होती है। जापान में अगर कभी ट्रेन लेट हुई है तो वह कुछ सेकंड ही हुई है। जापान की बुलेट ट्रेन शिन्कासेन का रिकॉर्ड है कि वह कभी 36 सेकंड से ज्यादा लेट नहीं हुई। जापान में ट्रेनों के सही समय पर चलने के पीछे वहां के रेलवे की तकनीकी और स्टाफ की काम के प्रति प्रतिबद्धता है। बता दें कि जापान के लोग अपने समय के बहुत पाबंद होते हैं। एक मिनट की देरी को भी हर डिपार्टमेंट में गंभीरता से लिया जाता है। फिर चाहे वह सरकारी विभाग हो या प्राइवेट विभाग। कोई ट्रेन यदि कुछ सेकंड लेट हो जाती है, तो अगले स्टेशन पर दूसरी ट्रेन छूट जाती है। जापान रेलवे यात्रियों को सर्टिफिकेट देता है। जब ट्रेन लेट होती है तो स्टेशन पर रेलवे का स्टाफ खड़ा हो जाता है। इसके बाद यात्रियों को डिले सर्टिफिकेट देता है।जापान के रेलवे के अधिकारी ट्रेन के लेट होने पर यात्रियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हैं। बता दें कि नवंबर 2020 में टोक्यो और राजधानी के उत्तरी इलाके को आपस में जोड़ने वाली सुकुबा एक्सप्रेस लाइन पर एक ट्रेन 9:44:40 के बजाए 9:44:20 बजे खुल गई। मात्र 20 सेकंड पहले ट्रेन चलने जाने पर कुछ यात्रियों की ट्रेन छूट गई। जबकि अगले स्टेशन पर कुछ यात्रियों को ट्रेन का इंतजार था। रेल अधिकारियों ने इस घटना पर माफी मांगी थी।

हिमपात से हिमाचल ने ओढ़ी बर्फ की सफेद चादर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश में मौसम के करवट बदलते ही हिमपात का दौरा जारी है। ऐसे में जहां हिमाचल ने बर्फ की सफेद चादर ओढ ली है, वहीं लखनऊ समेत उत्तर भारत में ठंप से लोग कांप रहे है। तापमान में गिरावट के चलते आम दिनों के मुकाबले शहरों की सड़कों पर वाहनों की संख्या घटी है जिससे भीड़ में कमी आयी है।

लखनऊ में भी ठंड से कांप रहे लोग

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों रोहतांग और पांगी सहित कई चोटियों पर बर्फबारी हुई है। राजधानी शिमला के रिज मैदान पर बूंदाबांदी के साथ फाहे, कुफरी, नारकंडा और हाटू पीक में हिमपात हुआ है। लाहौल, मनाली, चंबा और सिरमौर की ऊंची चोटियों पर भी बर्फबारी हुई है। रोहतांग दर्रे में बर्फबारी होने से पुलिस प्रशासन ने मनाली-लेह मार्ग पर नेहरूकुंड से आगे वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। जिला चंबा जनजातीय क्षेत्र पांगी में बर्फबारी के बाद का नजारा देखने लायक है। सोलंग घाटी में चार इंच बर्फबारी हुई है। वहीं, भारी बर्फबारी के कारण अटल टनल यातायात के लिए बंद कर दी गई है। नेहरुकुण्ड से आगे पर्यटकों जाने नहीं दिया जा रहा है। प्रदेश के कई क्षेत्रों में हल्की बारिश और चोटियों पर बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है। आगे भी ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात और निचले इलाकों में बारिश होने का पूर्वानुमान है।

फोटो: सुमित कुमार

250 ट्रेनों के पहिये थमे, 22 रिशेड्यूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगर आपको आज ट्रेन से कहीं जाना है तो सावधान हो जाएं। क्योंकि आज फिर रेलवे ने 290 ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। इसलिए घर से निकलने से पहले कैंसिल ट्रेनों की लिस्ट जरूर चैक करें। रेलवे के ट्रेनों को कैंसिल करने के पीछे घना कोहरा ही कारण बताया है। जानकारी के मुताबिक 290 में से 22 ट्रेनों को रिशेड्यूल किया गया है। जबकि इतनी ट्रेनों को रूट्स भी बदलाव किये गए हैं। वहीं कुछ के टाइम टेबल बदलने की भी सूचना है। 20 दिसंबर यानि गुरुवार को रेलवे ने लगभग 314 ट्रेनों को कैंसिल किया था।

शुक्रवार को रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक कुल 250 ट्रेनों को पूरी तरह कैंसिल किया गया है।

40 ट्रेनें आंशिक रूप से भी की गई हैं कैंसिल

जबकि 22 ट्रेनों को रिशेड्यूल करने की सूचना है। इसके अलावा 40 ट्रेनें आंशिक रूप से भी कैंसिल की गई हैं। वहीं 6 गाड़ियों का रूट भी बदला गया है। आपको बता दें कि कैंसिल होने वाली ट्रेनों में एक्सप्रेस से लेकर पैसेंजर ट्रेनें शामिल है। इसलिए यदि आपने आज कहीं जाने का प्लान बनाया है तो कैंसिल ट्रेनों की लिस्ट जरूर चैक करें, हो सकता है आपका जिस ट्रेन में रिजर्वेशन हो वो भी कैंसिल हो गई हो।

ये ट्रेनें आज रहेंगी कैंसिल

ज्वालामुखी रोड, 01617 दिल्ली - शामली, 01618 एक्सप्रेस स्पेशल शामली दिल्ली, 04030 फरुखनगर - दिल्ली सराय रोहिल्ला 04041 दिल्ली सराय रोहिल्ला, अमृतसर जंक्शन, लखनऊ - आनंद विहार टर्मिनल, 12584 डबल डेकर एसी आनंद विहार टर्मिनल- लखनऊ, 01605 एक्सप्रेस स्पेशल पठानकोट, 01607 पठानकोट - जोगिंदर नगर, 04319 स्पेशल लखनऊ - शाहजहाँपुर, 04790 बीकानेर जंक्शन - रेवाड़ी जंक्शन, विक्रमशिला एक्सप्रेस आनंद विहार टर्मिनल - भागलपुर, 12506 नार्थईस्ट एक्सप्रेस आनंद विहार टर्मिनल - कामाख्या, 12584 डबल डेकर एसी आनंद विहार टर्मिनल, शामली, 01618 एक्सप्रेस स्पेशल शामली दिल्ली, 04030 फरुखनगर शामिल हैं।

तिहाड़ जेल में कैदी के साथ कुकर्म, अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सुरक्षित माने जाने वाली जेलों में से एक तिहाड़ अक्सर करके चर्चा में ही बनी रहती है। अभी सुकेश के तिहाड़ से ठगी अफसाने फिजाओं में तैर ही रहे थे कि एक बार फिर कुछ ऐसा इस जेल चाहरदीवारी में हुआ है, जिसने इसकी सुरक्षा पर सवाल लगा दिए हैं। दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी के साथ कुकर्म का मामला सामने आया है।

आरोप है कि कुकर्म का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। इस वारदात के बाद कैदी की तबियत काफी बिगड़ गई। हालात को देखते हुए जेल प्रबंधन ने आनन फानन में उसे लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां कैदी की हालत में अब सुधार होने लगा है। उधर, मामले की जानकारी होने पर अस्पताल पहुंचे कैदी के परिजनों ने इस संबंध में पुलिस में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना दो से तीन दिन पुरानी बताई जा रही है। कैदी के परिजनों ने बताया कि जेल प्रबंधन ने पहले तो मिलने ही नहीं दिया। बाद में जब कैदी की तबियत खराब होने

के बाद जेल प्रबंधन ने पत्र लिखकर उन्हें मामले की जानकारी दी। बताया कि कैदी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस जानकारी के बाद परिजन अस्पताल पहुंचे तो वहां भी मिलाई में दिक्कत हुई। हालांकि बाद में पत्र देखकर पुलिसकर्मियों ने उन्हें कैदी से मिलने दिया। परिजनों ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि कैदी ने इसी मिलाई के दौरान बताया कि उसके साथ कई दिन से कुकर्म और मारपीट की घटना हो रही है।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित कैदी को दिल्ली के तिहाड़ जेल में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले बैरक नंबर सात में रखा गया है। आरोप है कि इसी बैरक में अन्य कैदियों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस को आशंका है कि वारदात में जेल पुलिस की भी मिलीभगत हो सकती है। हालांकि फिलहाल पुलिस इस संबंध में जांच पूरी होने तक कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है।

वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद अमरनाथ तिवारी का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद की अंतिम यात्रा से पूर्वी उत्तर प्रदेश के शहर आजमगढ़ के एक युग की यात्रा का अंत हो गया है। आजमगढ़ के अजमतगढ़ इलाके के ख्यातिलब्ध स्मिथ इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रहे अमरनाथ तिवारी

96 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। वह उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के जनपद इकाई के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे ।

ट्रक-मैजिक की टक्कर में छह जखमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। जौनपुर में जलालपुर थाना क्षेत्र के असबरनपुर गांव के पास वाराणसी-सुल्तानपुर हाइवे पर शुक्रवार को सुबह करीब नौ बजे मैजिक व ट्रक में आमने सामने टक्कर हो गई। हादसे में दो महिला और तीन बच्चे समेत 6 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी रेहटी भेजा गया।

घायलों ने बताया की सिंधोरा वाराणसी निवासी एक रिश्तेदार की गुरुवार को मौत हो गई थी। सभी लोग शोक संवेदना व्यक्त कर मैजिक वाहन से छितौना जलालपुर लौट रहे थे। असबरनपुर गांव के पास पहुंचने पर लोगों ने प्लान बदल कर थरी फूलपुर जाने का निर्णय कर लिया। चालक आल्हा राजभर गाड़ी मोड़कर गलत तरफ से वाहन लेकर जा रहा था की सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। जिसमे 40 वर्षीय चालक आल्हा, 51 वर्षीय शकुंतला निवासी छितौना, 30 वर्षीय रीना निवासी थरी फूलपुर और इनके तीन बच्चे अंश 12, हिमांशु 8, प्रियांशु 7 घायल हो गए।

एमएलसी सीटों पर 30 जनवरी को मतदान, दो फरवरी को आएंगे परिणाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक क्षेत्र की पांच सीटों पर चुनाव के लिए मतदान 30 जनवरी को होगा। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को चुनाव कार्यक्रम जारी किया। नामांकन 12 जनवरी तक दाखिल किए जाएंगे और मतगणना दो फरवरी को होगी। परिषद चुनाव की घोषणा के साथ ही इसके दायरे में आने वाले 39 जिलों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक, कानपुर खंड स्नातक, बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक, इलाहाबाद झांसी खंड शिक्षक और कानपुर खंड शिक्षक में चुनाव के लिए पांच जनवरी को अधिसूचना

12 फरवरी को पूरा हो रहा है पांच विधान परिषद सदस्यों का कार्यकाल

जारी की जाएगी। पांच से 12 जनवरी तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। 13 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 16 जनवरी तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे।

बता दें कि गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक से एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह, कानपुर खंड स्नातक से अरुण पाठक, बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक से डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, इलाहाबाद झांसी खंड शिक्षक से सुरेश कुमार त्रिपाठी और कानपुर खंड शिक्षक से राजबहादुर सिंह चंदेल का कार्यकाल 12 फरवरी को पूरा हो रहा है।

39 जिलों में आदर्श आचार संहिता लागू

विधान परिषद की शिक्षक एवं स्नातक खंड की पांच सीटों के चुनाव के मद्देनजर प्रदेश के 39 जिलों में आचार संहिता लागू की गई है। प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी, ललितपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, संभल, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी और अंबेडकर नगर में 4 फरवरी तक आचार संहिता लागू रहेगी।

69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी फिर से खोलेंगे योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में 69000 शिक्षक भर्ती का मामला सालों से अटका हुए है जिसको लेकर अभ्यर्थी आए दिन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार पिछड़े और दलितों के साथ नाइंसाफी कर रही है। 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण से वंचित ओबीसी और एससी अभ्यर्थियों ने सरकार पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाया। अभ्यर्थियों ने आरक्षण बचाने के लिए सरकार के खिलाफ अभियान शुरू करने का एलान किया है।

जीपीओ पार्क में पिछड़ा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप एवं संरक्षक भास्कर सिंह यादव की मौजूदगी में हुई बैठक में इस मुद्दे पर रणनीति बनाई गई। पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार के रवैये से अभ्यर्थी आहत हैं। ओबीसी व एससी अभ्यर्थी अपना हक लेकर रहेंगे।

महासचिव सुमित यादव और उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने कहा जिस तरह भर्ती में सरकार ने आरक्षण खत्म किया है उसी तरह अब निकाय चुनाव में भी वो दलित और पिछड़ो का हक मरना चाहती है। उन्होंने कहा इस लड़ाई में अब जो भी राजनितिक दल उनका समर्थन करेगा उस दल को अभ्यर्थियों का साथ चुनाव के दौरान मिलेगा।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं मार्च से होंगी आरंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड 10वीं, 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए अहम अपडेट है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी कि यूपी बोर्ड जल्द ही दसवीं, बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए टाइमटेबल का ऐलान कर देगा। संभावना जताई जा रही है कि बोर्ड जल्द ही हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के शेड्यूल की घोषणा आधिकारिक वेबसाइट पर कर देगा।

डेटशीट रिलीज होने के बाद स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगइन करके इसे देख पाएंगे। हालांकि, परीक्षार्थी इस बात का ध्यान रखें कि फिलहाल डेटशीट रिलीज होने के संबंध में कोई आधिकारिक तिथि घोषित नहीं हुई है तो ऐसे में सटीक डेट जानने के लिए छात्र-छात्राओं को आधिकारिक वेबसाइट पर ही विजिट करना होगा। बता दें कि यह परीक्षाएं मार्च में आयोजित की जा सकती हैं। सटीक डेट डेटशीट रिलीज होने के बाद ही मालूम चलेगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। इसके अनुसार, पहली शिफ्ट सुबह और दूसरी सेकेंड शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थी को टाइमटेबल में दर्शाए गए समय से कम से कम 30 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा। इस साल यूपी बोर्ड की परीक्षा में 55 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल होंगे। वहीं,10वीं कक्षा में कुल 31,16,458 जबकि 12वीं कक्षा में 27,50,871 स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन हुआ है। यह आंकड़े शैक्षणिक वर्ष 2022 की तुलना में 67.4 लाख छात्र अधिक हैं। फिलहाल यूपी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों जुटा हुआ है। बोर्ड परीक्षा में नकल से निपटने के लिए सख्ती से इंतजाम किए जा रहे हैं। यूपी बोर्ड को छोड़कर सीबीएसई समेत कई अन्य राज्यों ने भी बोर्ड परीक्षा तिथियों की घोषणा कर दी है। इनमें मध्य प्रदेश बोर्ड, पंजाब बोर्ड, बिहार समेत अन्य शामिल हैं। बिहार बोर्ड दसवीं की परीक्षाएं 14 फरवरी से 22 फरवरी, 2023 के बीच आयोजित की जाएगी। वहीं,12वीं कक्षा की परीक्षा 1 फरवरी से 11 फरवरी 2023 तक चलेगी।

मुगलसराय में सड़क पर सिलेंडर फटने से दो लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के रविनगर स्थित दयाल हॉस्पिटल के पास शुक्रवार की सुबह गाड़ी से उतारते समय ऑक्सीजन सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ब्लास्ट इतना तेज था कि दो किमी तक इसकी आवाज सुनाई दी। दोनो व्यक्ति के शरीर के चिथड़े उड़ गए। घटना के बाद हड़कंप मच गया।

मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के रविनगर कॉलोनी काफी बड़ी कॉलोनी मानी जाती है। शुक्रवार की सुबह 10.12 बजे दयाल हॉस्पिटल के सामने मैजिक पर लदे ऑक्सीजन सिलेंडर को दो लोग उतार रहे थे। वहीं पास से ईंट लदा ट्रैक्टर भी गुजर रहा था। इतने में एक सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। दो लोगों के चिथड़े उड़ गए। मौके पर दोनो की मौत हो गई। 100 मीटर तक दोनों के मांस के चिथड़े बिखरे हुए थे। यह विभत्स दृश्य देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए। सूचना पर तुरंत मौके पर सीओ अनिरूद्ध सिंह पहुंच गए और आगे की कार्रवाई में जुट गए हैं। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

भाजपा रच रही यूपी में चुनाव टालने का षड़यंत्र : मायावती

» बसपा प्रमुख ने पार्टी दफ्तर में वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों को किया संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तरप्रदेश में राजनीति गरम है। आज बसपा प्रमुख मायावती ने पदाधिकारियों की बैठक कर ठंड में सियासी पारा और गरमा दिया है। उन्होंने बैठक में कहा कि भाजपा द्वारा जातिवादी द्वेष तथा सोची-समझी रणनीति के तहत यूपी में निकाय चुनाव टालते रहने का षड़यंत्र रच रही है। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारिया और जिलाध्यक्षों को संबोधित किया।

इस दौरान प्रदेश वासियों को आने वाले नए साल की सुभकामनाएं दी। उसके बाद उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि निकाय चुनाव टालने की भाजपा की ये सोची समझी रणनीति है। कहा कि आरक्षण को बीच में लेकर भाजपा निकाय चुनाव टालना चाहती है। वहीं उन्होंने लोकसभा चुनाव में बसपा की रणनीति के बारे में बताया। बसपा अब गांव गांव जाकर जनाधार को बढ़ायेगी। प्रदेश में बेरोजगारी के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि प्रदेश से सभी युवा को जागरूक होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कि कथनी और करनी में बहुत फर्क है। प्रदेश में व्यापारियों को जीएसटी और आए दिन होने वाली छापेमारी ने परेशान कर दिया है।

मायावती ने कहा प्रदेश के लोग अच्छे दिन देखने के लिए तरस गए है। मंहगाई ने आमदमी की कमर तोड़कर रख दी है। कहा कि भाजपा तुष्टिकरण का काम करती आयी है प्रदेश भर में विकास की बात के बजाये धर्म की बात होती है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही पिछड़ों और दलितों के साथ बुरा रवैया दिखाया है। अब प्रदेश की जनता को सब साफ नजर आने लगा है कि किस तरह वोट लेने के लिए भाजपा ने उनके साथ झल किया है।

नारेबाजी से नाराज हुईं ममता ने मंच पर बैठने से कर दिया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुक्रवार को नाराज दिखाई दीं। उन्होंने हावड़ा स्टेशन पर मंच पर बैठने से इनकार कर दिया। यहां से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई जानी थी। बताया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन पर आई भीड़ में से कुछ लोगों ने जोरदार नारेबाजी की। इसके बाद ममता बनर्जी ने मंच पर बैठने से इनकार कर दिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने ममता बनर्जी को शांत करने का प्रयास किया। हालांकि, ममता ने मंच नहीं जाने का फैसला किया और मंच के सामने कुर्सी पर बैठ गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हावड़ा और पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई।

पीयूष आनंद बने सीआईएसएफ के एडीजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दो पुलिस उपाधीक्षकों का तबादला

लखनऊ। केंद्र सरकार ने यूपी काडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पीयूष आनंद को प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर तैनात किया है।

गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि प्रदेश सरकार ने बीते मंगलवार को ही पीयूष आनंद को एडीजी रेलवे के पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय में एडीजी प्रशासन के पद पर तैनात किया था। पीयूष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।